भारत सरकार

खान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2520

दिनांक 21.12.2022 को उत्तर देने के लिए

खेतड़ी में तांबा परिसर

2520. श्री नरेन्द्र कुमार:

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान के खेतड़ी जिले में स्थित तांबा परिसर बंद है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केंद्र सरकार तांबे के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराते हुए अपने स्तर पर इस तांबा परिसर को फिर से शुरू करने पर विचार रही है;

(घ) यदि हां, तो यह कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है;और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

खान, कोयला एवं संसदीय कार्य मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) और (ख) : जी, नहीं। राजस्थान के झुंझुनू जिले के खेतड़ी स्थित खेतड़ी ताँबा परिसर (केसीसी) प्रचालनरत है। केसीसी में बनवास ब्लॉक सहित कोलिहान और खेतड़ी खानें प्रचालनरत हैं। इस प्रकार संपूर्ण उत्पादित अयस्क को केसीसी कंसन्ट्रेटर संयंत्र में संसाधित किया जाता है, जो कॉपर अयस्क सांद्र का उत्पादन करने के लिए भी प्रचालनरत है। तथापि खेतड़ी स्मेल्टर और रिफाइनरी संयंत्र 2008 से गैर-प्रचालनरत हैं और निम्नलिखित कारणों से उन्हें स्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं:

- केसीसी कंसन्ट्रेट ग्रेड कम था जिसके लिए स्मेल्टर प्लांट को संचालित करने के लिए उच्च ग्रेड कंसंट्रेट के सम्मिश्रण की आवश्यकता होती थी जिसे हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा आयात किया गया था।
- निजी संस्थाओं की तुलना में संयंत्र की कम क्षमता के कारण कंसन्ट्रेट को परिष्कृत तांबे में बदलने की लागत बहुत अधिक थी।
- 2008 में संयंत्र के जीर्णोद्धार के लिए लगभग 70 करोड़ रु. के निवेश और प्रदूषण मानदंडों का पालन करने के लिए केसीसी में दो एसिड संयंत्रों के प्रतिस्थापन के लिए 300 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता थी।
- केसीसी में जल संकट एक बारहमासी समस्या है।

(ग) : जी, नहीं। यद्यपि सरकार केसीसी में चरणबद्ध तरीके से खान क्षमता को बढ़ाने की योजना बना रही है, तथापि केसीसी में स्मेल्टिंग और शोधन प्रचालन में नए निवेश की कोई योजना नहीं है।

(घ) : प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) आधुनिक आर्थिक आकार के स्मेल्टर शोधन संयंत्र की उत्पादन क्षमता प्रति वर्ष 1 लाख टन से अधिक परिष्कृत तांबा उत्पादन होनी चाहिए और ऐसे संयंत्र में लगभग 6000 करोड़ रुपये की लागत का निवेश शामिल है। केसीसी में सरकार की भावी खान उत्पादन क्षमता वृद्धि योजना आधुनिक आकार के संयंत्र के प्रदाय की तुलना में काफी कम है। केसीसी में ऐसी मेगा निवेश परियोजना के लिए निम्नलिखित निवारक कारक हैं:

- स्थानीय नुकसान (बंदरगाह से दूरी)
- जल संकट
- स्मेल्टर में केसीसी सांद्रण का उपयोग करने के लिए उच्च श्रेणी के सान्द्र के साथ सम्मिश्रण की आवश्यकता
- उपोत्पादन के दोहन की न्यूनतम संभावना।

******